एम्बुलेंस कर्मियों और सरकार के बीच दो दौर की वार्ता विफल

जयपुर सहित प्रदेश में राजस्थान एंबुलेंस कर्मचारी संघर्ष समिति के आव्हान पर सोमवार को तीसरे दिन भी एम्बुलेंस कर्मियों की हड़ताल जारी रही

प्रदेश में एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रही। इससे मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई मरीजों को एंबुलेंस नहीं मिलने से अन्य साधनों से अस्पताल आना पड़ा।

जयपुर। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश में राजस्थान एंबुलेंस कर्मचारी संघर्ष समिति के आव्हान पर सोमवार को तीसरे दिन भी एम्बुलेंस कर्मियों की हड़ताल जारी रही। हालांकि इस बीच आज एम्बुलेंस कर्मी और सरकार के बीच जयपुर में हुई दौर की वार्ता विफल रही। वहीं दूसरी ओर इस हड़ताल से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राजस्थान एंबुलेंस कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि संविदा नियमों में एम्बुलेंस कर्मियों को शामिल किए जाने की मांग को लेकर एम्बुलेंस कर्मियों का पिछले तीन दिन से आंदोलन जारी है। इसके चलते पूरे प्रदेश में 108 व 104 एंबुलेंस सेवा पूरी तरह ठप है। इससे मरीजों का भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एम्बुलेंस सेवा नहीं मिलने से मरीज ऑटो, ई-रिक्शा या दूसरे वाहनों से हॉस्पिटल इलाज के लिए पहुंच रहे है। 108 सेवा की जयपुर

■ हड़ताल से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समेत प्रदेशभर में 750 एम्बुलेंस संचालित है। शेखावत ने बताया कि एम्बुलेंस कर्मियों का सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त निदेशक प्रियंका गोस्वामी से स्वास्थ्य भवन में सुबह मुलाकात की। इस दौरान सुबह साढ़े दस बजे व शाम सवा तीन बजे दो दौर की वार्ता हुई। जिसमे अतिरिक्त मिशन निदेशक गोस्वामी ने पदाधिकारियों को बताया की भविष्य के लिए एंबुलेंस कर्मचारियों के लिए प्रपोजल बनाकर सरकार को भेज देंगे, लेकिन इस बात पर एंबुलेंस कर्मचारी सहमत नही हुए। इस दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री लेवल पर वार्ता करने की मांग की है।

शेखावत ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज जयपुर के सामने पूरे प्रदेश से करीब आए हुए 4000 कर्मचारियों द्वारा धरना व प्रदर्शन किया गया। प्रदेश में 108 की 741 एंबुलेंस और 104 की 586 एंबुलेंस सेवा पूरी तरह से ठप रही है और प्रदेश के अधिकतर एंबुलेंस कर्मचारी जयपुर पंहुच गए है। उन्होंने बताया कि एंबुलेंस कर्मचारियों की मांगों का समाधान नही होने तक हड़ताल जारी रहेगी।

'शिकायतकर्ता खुद ही दलाल, मुझे जमानत दी जाए'

■ हाईकोर्ट ने हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की जमानत अर्जी पर एसीबी से एक सप्ताह में केस डायरी पेश करने को कहा है

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिश्वत लेकर पट्टे जारी करने से जुड़े मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की जमानत अर्जी पर एसीबी से एक सप्ताह में केस डायरी पेश करने को कहा है। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकलपीठ ने यह आदेश सुशील गुर्जर की जमानत याचिका पर दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि मामले में शिकायतकर्ता का खुद के भूखंड का कोई पट्टा नहीं है। वह तो रुपए लेकर दूसरे लोगों को पट्टा दिलाने का काम करता है। शिकायतकर्ता खुद ही भ्रष्टाचार फैला रहा है। इसके अलावा टेलीफोनिक ट्रांसक्रिप्ट में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है और जिन लोगों के भूखंडों के पट्टों की फाइलें थी, उनमें से किसी ने कोई शिकायत नहीं दर्ज नहीं कराई है। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने न तो किसी से रिश्वत की मांग की है और ना ही उससे किसी तरह की रिश्वत राशि बरामद हुई है। यह पूरा प्रकरण राजनीति द्वेषता से प्रेरित है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका राज्य सरकार की ओर से विरोध किया गया। वहीं अदालत ने अभियोजन पक्ष को कहा है कि वह एक सप्ताह में प्रकरण की केस डायरी पेश करे। गौरतलब है कि एसीबी ने गत दिनों मेयर मुनेश गुर्जर के घर रेड डाली थी। एसीबी का आरोप है कि सुशील गुर्जर ने दो लाख रुपए प्रति पट्टा रिश्वत लेकर पट्टे जारी कराने की रिश्वत ली है। एसीबी ने सुशील गुर्जर के साथ ही प्रकरण में शामिल दो दलालों को भी गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर इसी दिन राज्य सरकार ने मुनेश गुर्जर को मेयर पद से निलंबित कर दिया था, हालांकि हाईकोर्ट ने बाद में इस आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने भी निलंबन आदेश वापस ले लिया था।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की ओएमआर सीट में कांटछांट

■ टाटा कन्सलटेंसी सर्विसेज के रीजन मैनेजर समेत पांच लोग गिरफ्तार

जयपुर । कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2018 की ओएमआर शीट में छेड़छाड़ करने वाले वाले पांच आरोपियों को एसओजी ने गिरफ्तार किया है। मामले को लेकर कोर्ट ने एसओजी को जांच के आदेश दिए थे, जिसके चलते वर्ष-2021 में एसओजी ने एफआईआर दर्ज की थी।

एडीजी एटीएस-एसओजी अशोक राठौड़ ने बताया कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 की ओएमआर शीट में कांट-छांट मामले में दर्ज एफआईआर की जांच के बाद लिप्त पाए जाने पर आरोपी टाटा कन्सलटेंसी सर्विसेज में रीजन मैनेजर एडमिनिस्ट्रेशन सौरभ कुमार सिंह (35) निवासी प्रताप नगर, वरणेशपुरी (46) निवासी विकासपुरी नई दिल्ली, पंकज सैनी (33) निवासी आदर्श नगर थाना नया गांव जिला माहोली पंजाब, सूफियान (27) निवासी बाजर पेठ जिला ठाणे महाराष्ट्र सहित राजकुमार को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2018 में वीरेन्द्र सिंह ने हाईकोर्ट में पिटीशन लगाई थी की कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 में ओएमआर शीट में कांटछांट की गई। कोर्ट ने 10 फरवरी 2021 को अन्तरिम आदेश पर अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नती बोर्ड को जिला बारां व बून्दी की लिखित परीक्षा में उपस्थित अभ्यर्थियों के ओएमआर की दोबारा से जांच कराने और अनियमितता पाई जाने पर दोबारा परिणाम जारी करने के निर्देश दिए। मामले की पड़ताल में बांरा के 6 अभ्यर्थियों और बून्दी के अभ्यर्थियों के ओएमआर में काट-छांट मिली।

अशोक नगर थाना प्रभारी और सर्किल एसीपी पर गाज गिरी

सी-स्कीम में चल रहे थे देर रात तक हुक्का-बार

जयपुर । राजधानी में रात 12 बजे बाद क्लब होटल बार पर पाबंदी है लेकिन अशोक नगर में राजधानी के पॉश इलाके सी-स्कीम देर रात तक चल रहे थे। पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ के आदेशों की अवहेलना करने पर दो पुलिस अधिकारियों पर गाज गिरी है।

सी-स्कीम क्षेत्र में देर रात तक हुक्का-बार और पब-रेस्टोरेंट के संचालन में लगे गंभीर आरोपों में अशोक नगर थानाधिकारी राजवीर सिंह और सर्किल के एसीपी राजेंद्र रावत पर कार्रवाई की गई है। इस इलाके में रात 12 बजे के बाद सर्कल में लगातार क्लब होटल बार और कैफे चल रहे थे। पुलिस कमिश्नर को बार-बार इस संबंध में शिकायतें मिल रही थी। पुलिस मुख्यालय ने मामले को गंभीर मानते हुए एसएचओ को निलम्बित कर एसीपी को एपीओ कर दिया है। जानकारी के अनुसार डीजीपी उमेश मिश्रा ने सोमवार को एक आदेश जारी कर अशोक नगर एसीपी राजेन्द्र कुमार रावत को प्रशासकीय आधार पर पदस्थापन की प्रतीक्षा में किया है। इस दौरान उनका मुख्यालय भी पीएचक्यू में होगा।

इसी प्रकरण में गंभीर आरोपों का सामना करने वाले अशोक नगर थानाधिकारी राजवीर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर निलम्बित कर दिया है। जानकारी के अनुसार उनका निलम्बन आदेश डीजीपी के आदेश पर परम ज्योति महानिदेशक पुलिस सतर्कता ने जारी किया है। राजवीर सिंह के सस्पेंड होने उन्हें लाइन में हाजिरी देनी होगी। राजवीर सिंह पर ब्रह्मपुरी थानाप्रभारी रहते हुए भी जमीनों पर कब्जा करने के आरोप लगे थे। राजवीर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच भी की जा रही है।

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को 20 साल की सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त नारायण मीणा को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 43 वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी संदीप कुमार शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त पीड़िता के पिता की उम्र का है। उसका यह कृत्य गंभीर और घृणित प्रकृति का है। ऐसे में उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 26 दिसंबर, 2019 को करीब 17 वर्षीय पीड़िता के पिता ने मनोहरपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी 25 दिसंबर को बीएड की एक्स्ट्रा क्लास में पढ़ने के लिए घर से निकली थी, लेकिन अब तक वापस लौटकर नहीं आई है। उसने करीब एक माह पहले नारायण मीणा को अपनी मोटर साइकिल बेची थी। जिसका रुपए भी नारायण पर बकाया चल रहा है। नारायण से संपर्क करने पर उसने आज सुबह पीड़िता के घर आने की बात कही, लेकिन पीड़िता वापस नहीं आई। ऐसे में उसे शक है कि नारायण मीणा उसे अपने साथ ले गया है। पीड़िता घर जाते समय अपने सभी दस्तावेज, कपड़े और बैंक की पासबुक भी साथ ले गई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ दिनों बाद अजमेर के किशनगढ़ से बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन वह अपनी दोस्त के घर जा रही थी।

मुख्यमंत्री से मिलने से पहले ही किरोड़ी मीणा गिरफ्तार

जयपुर। डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गंगापुर दौरे के दौरान मिलने के लिए कहा लेकिन पुलिस ने डॉ मीणा को और उनके समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया।

इस दौरान डॉ मीणा ने कहा कि मुखिया आपकी इस तानाशाही का जवाब आने वाले समय में प्रदेश कि जनता अवश्य देगी ओर आपको एवं आपकी पार्टी को हमेशा के लिए सता से बाहर करेगी। डॉ मीणा की प्रमुख मांगों में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ दौरे के दौरान किए गए अभद्र व्यवहार करने वाले व पुलिस प्रशासन द्वारा की गई लापरवाही करने वालों के ख़िलाफ कार्यवाही करने के लिए। मुखिया के दौरे से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन द्वारा नज़रबंद/अभद्र व्यवहार क्यों किया गया, उनके ख़िलाफ कार्यवाही के लिए। पांचना बांध का पानी किन कारणों से रोक रखा है उसे छोड़ा जाए। परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रशासन द्वारा रोकने वालों के ख़िलाफ कार्यवाही के लिए।

कांग्रेस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय व अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाएं : चन्द्रशेखर

■ कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जिसका किसान आज भी कर रहा इंतजार : हरिराम रणवां

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं प्रदेश स्तरीय बैठक में मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, सोशल मीडिया प्रदेश टीम एवं सोशल मीडिया जिला प्रभारी उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने मोर्चे के प्रत्येक पदाधिकारियों से आव्हान किया कि वह अपने-अपने ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ, किसान विरोधी इस कांग्रेस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय एवं अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाएं। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जमाफी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी। साथ ही बिजली कटौती करके किसानों के साथ में धोखा किया। ऐसी निकम्मी सरकार को आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान सबक सिखाएगा।

मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं किसान मोर्चा राजस्थान के प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा किसान मोर्चा को प्रत्येक बूथ स्तर पर केन्द्र सरकार की किसान जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने की आवश्यकता है, जिससे की हर एक किसान को इन योजनाओं के माध्यम से लाभ मिल सके।

सीकर जिले में नीट अभ्यर्थी ने की आत्महत्या

जयपुर । सीकर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रहे 16 वर्षीय छात्र कौशल मीना ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। वह करौली के रायसन का रहने वाला था और सीकर के एक निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ता था। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। मृतक के परिवार को सूचना दे दी गई है। उद्योग नगर पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जानकारी के मुताबिक छात्र सीकर के पिपराली रोड स्थित एक निजी इंस्टीट्यूट में नीट की तैयारी कर रहा था। वह 23 अप्रेल से ब्वॉयज हॉस्टल में रह रहा था। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे वह कोचिंग से आया और खाना खाकर अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद उसका दोस्त कमरे में गया तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। दोस्त के आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद उन्होंने हॉस्टल संचालक को सूचना दी, जिसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा गया और कौशल को पंखे से लटका पाया गया। हॉस्टल मालिक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। करौली में रहने वाले परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा। छात्र रक्षाबंधन की छुट्टियों में घर गया था और 31 अगस्त की शाम को हॉस्टल लौटा था।

मजबूत सड़क को उखाड़कर जे.डी.ए. के इंजीनियर्स ने बना दी नई डामर रोड

भांकरोटा के ग्राम निमेडा में जेडीए जोन-12 के इंजीनियर्स का कारनामा

जयपुर (कासं)। जेडीए के इंजीनियर ही अपने विभाग को नुकसान पहुंचाने में जुटे हुए हैं। इन इंजीनियरों का एक कारनामा भांकरोटा के नीमेडा ग्राम में नजर आया, जब सही और मजबूत सड़क को उखाड़कर नई डामर बिछा दी। डामर की परत भी इतनी पतली कि एक बरसात भी सहन नहीं कर पाएगी।

ग्रामवासियों ने बताया कि नीमेडा ग्राम में जेडीए ने कुछ समय पहले ही 30 फीट चौड़ी एक किमी की सड़क का डामरीकरण किया था। यह सड़क मजबूत बनी हुई थी। इस पर डामर की दो लेयर की हुई थी। इसके बावजूद जेडीए के सहायक अभियंता ने इस सड़क पर पानी भरने के बहाने मजबूत सड़क को जगह-जगह से उखाड़ दिया। इसके पीछे यह तर्क दिया गया कि यहां पानी भरता है तो सीमेंट सड़क बनाई जाएगी। इसके बाद बची हुई सड़क पर भी एक किमी में डामर की एक लेयर चढा दी गई। इसके पीछे तर्क दिया गया कि सड़क में कई जगह खड्डे है ऐसे में सड़क दुबारा ही बना दी जाए। स्थानीय निवासियों ने जेडीए की इस कार्रवाई का विरोध भी किया लेकिन कनिष्ठ व सहायक अभियंता अपनी जिद पर अड़े रहे। अब सड़क की हालत यह हो गई है कि सीमेंट की सड़क बनाने से पहले डामर की सही सड़क पर दुबारा डामर करके ठेकेदार को फायदा देने की कोशिश की जा रही है।

इस संबंध में जेडीए के जोन-12 के एक्सईएन का कहना है कि यहां कई जगहों पर पानी भरता था, जिससे बार-बार पेचवर्क करना पड़ता था, अब सीमेंट सड़क बनाएंगे बीच-बीच में, इसलिए पुरानी सड़क को

उखाड़ा गया था।

इसी तरह जोन-12 में मूर्तिकला कॉलोनी में सड़क बनाने का काम चल रहा है। यहां पर अभी पूरी तरह से जीएसबी और डब्लूबीएम भी नहीं हुई है। इससे सड़क के वापस टूटने की आंशका बनी हुई है। इसके बाद डामर किया जाएगा। अभी डामर लगाई भी नहीं है कि ठेकेदार ने इस सड़क का भुगतान उठाने की तैयारी कर ली है।

ईडी ने जल जीवन मिशन में हुए घोटाले की जांच तेज की

जल जीवन मिशन योजना में करोड़ों के भ्रष्टाचार का मामला

■ ईडी की टीमें जयपुर सहित अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों से भारी मात्रा में नकदी-सोना सहित अन्य दस्तावेज बरामद कर चुकी है।

जयपुर। प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना में हुए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने जांच तेज कर दी है। तीन दिन में गुजरात सहित अन्य राज्यों से जयपुर सहित अन्य शहरों में पहुंची करीब एक दर्जन टीमें अब तक इस घोटाले के अहम साक्ष्य और संदिग्धों के ठिकानों से भारी मात्रा में नकदी-सोना सहित अन्य दस्तावेज बरामद कर चुकी है। सोमवार को ईडी ने आधिकारिक तौर पर जानकारी देते हुए कार्रवाई की जानकारी साझा की।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन योजना में फर्जी टेंडर प्रक्रिया से लेकर पुरानी पाइप लाइन नई बताकर कागजों में डालकर करोड़ों का भ्रष्टाचार होने के इनपुट ईडी के पास थे। दिल्ली और गुजरात अन्य राज्यों की टीमों ने स्थानीय टीम के साथ मिलकर शुक्रवार को जयपुर सहित अन्य जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया था। टीमों ने अलवर, नीमराना, बहरोड़ और शाहपुरा में इस मामले में लिप्त अधिकारी, कर्मचारी, ठेकेदार और दलालों के यहां दबिश दी। इस दौरान धन शोधन निवारण अधिनियम-2002 (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया। गौरतलब है कि एसीबी की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर ही ईडी ने इस बड़े घोटाले की जांच को हाथ में लिया। टीमों ने एक साथ सर्च शुरू की तो पदमचंद जैन (मालिक-मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी), महेश मित्तल (प्रोपराइटर मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी) सहित अन्य को जांच के दायरे में रखा।

जानकारी के अनुसार ईडी की जांच में जल जीवन मिशन योजना घोटाले में अवैध सुरक्षा प्राप्त करने, निविदाएं प्राप्त करने के लिए लोक सेवकों को रिश्वत देना, बिलों को मंजूरी दिलाना और उनके द्वारा निष्पादित कार्य के संबंध में अनियमितताओं को छिपाने के साथ ही लोक स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी से प्राप्त विभिन्न निविदाओं के संबंध में विभाग (पीएचईडी), संदिग्ध चोरी के सामान की खरीद में भी शामिल रहे हरियाणा से अपने टेंडरों व अनुबंधों में इसका उपयोग करने तथा पीएचईडी अनुबंध प्राप्त करने के लिए इरकॉन से कार्य समापन पत्र सहित अन्य साक्ष्य बरामद किए हैं।

गौरतलब है कि ईडी ने करीब 17 ठिकानों पर दबिश देकर सर्च ऑपरेशन चलाया था। जिसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपए और एक किलो सोने की ईंट बरामद की थी। जानकारी के अनुसार अमिताभ कौशिक और जेडीए के तहसीलदार सुरेश शर्मा 1 करोड़ 50 लाख रुपए सहित करीब ढाई करोड़ रुपए, प्रोपर्टी डीलर और आईएएस व नेताओं के लाईजनर जमीनी कारोबारी कल्याण कविया के यहां से सम्पत्ति में भारी निवेश के दस्तावेज बरामद किए। टीम ने डिजिटल साक्ष्य सहित अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज डिस्क, मोबाइल और बड़े पैमाने पर किए गए लेन-देन का काला चिट्ठा बरामद किया था।